अध्याय - 5 | प्रेमचंद के फटे जूते

QUIZ PART-02

1. **'हम परदे पर कुबातन हो रहे हैं' का आशय क्या है?**
   A. लोग परदे उतार देना चाहते हैं
   B. लोग परदे में ढाँककर रहना चाहते हैं
   C. लोग ऊपरी दिखावा बनाए रखना चाहते हैं
   D. प्रेमचंद दिखावा नहीं करते थे (C)

व्याख्या : इसका आशय है कि लोग ऊपरी दिखावा बनाए रखना चाहते हैं, जबकि प्रेमचंद सच्चाई को प्राथमिकता देते थे।

2. **लेखक प्रेमचंद के फटे जूते से क्यों परेशान है?**
   A. उसे हिन्दी लेखकों की दुर्दशा पर दुख है
   B. उसे प्रेमचंद की अयोग्यता पर दुख है
   C. उसे जनता के लेखकों की दुर्दशा पर दुख है
   D. उसे प्रेमचंद की अकुशलता पर दुख है (C)

व्याख्या : लेखक प्रेमचंद के फटे जूते देखकर जनता के लेखकों की दुर्दशा पर दुखी होता है।

3. **'परत-पर-परत जमने वाली चीज़' से लेखक का आशय क्या है?**
   A. धूल की परत
   B. मैल की पपड़ी
   C. रुढ़ियाँ
   D. लंबे समय से चली आ रही गलत आदतें (D)

व्याख्या : यहाँ आशय लंबे समय से जमी गलत आदतों और कुरीतियों से है।

4. **'रास्ते में खड़े टीले' से क्या तात्पर्य है?**
   A. बाधाएँ
   B. मार्ग में खड़े कीर्तिस्तंभ
   C. महत्वपूर्ण लोग
   D. समाज को पथभ्रष्ट करने वाली शक्तियाँ (A)

व्याख्या : रास्ते में खड़े टीले का आशय जीवन की बाधाओं और अवरोधों से है।

5. **'बगल से निकलने' का क्या आशय है?**
   A. बचकर निकलना
   B. मुसीबतों की अनदेखी करना
   C. कायरता दिखाना
   D. कलाबाज़ियाँ खाना (A)

व्याख्या : बगल से निकलने का आशय है बाधाओं से बचकर निकल जाना, यानी सीधे टकराने से बचना।

6. **लेखक के अनुसार प्रेमचंद का जूता क्यों फट गया था?**
   A. अधिक चलने से
   B. कठोर चीज़ों को ठोकर मारने से
   C. रास्ता लंबा होने से
   D. समय पर नया न लेने से (B)

व्याख्या : लेखक का मानना है कि प्रेमचंद ने जम चुकी कुरीतियों और कठोर सच्चाइयों को ठोकर मारी, जिससे उनका जूता फट गया।

7. **'नेम-धरम' प्रेमचंद के लिए क्या था?**
   A. कमजोरी
   B. जंजीर
   C. उनकी मुक्ति
   D. बाधा (C)

व्याख्या : लेखक ने कहा कि 'नेम-धरम' प्रेमचंद की कमजोरी नहीं, बल्कि उनकी मुक्ति थी।

8. **लेखक अपनी तुलना प्रेमचंद से करते हुए क्या कहता है?**
   A. उसकी उँगली बाहर निकलती है
   B. उसका तलवा घिस रहा है
   C. उसके पास अच्छे जूते हैं
   D. वह कठिनाइयों से बच निकलता है (B)

व्याख्या : लेखक कहता है कि उसकी उँगली तो छिपी है, लेकिन तलवा मिट्टी में घिस रहा है।

9. **लेखक के अनुसार प्रेमचंद की व्यंग्य-मुसकान का भाव क्या है?**
   A. दूसरों की निंदा करना
   B. अपने लेखन पर गर्व करना
   C. उन लोगों पर हँसना जो दिखावा करते हैं
   D. जनता की स्थिति पर रोना (C)

व्याख्या : प्रेमचंद की मुसकान उन पर व्यंग्य है जो उँगली छिपाकर तलवे घिसते रहते हैं यानी केवल दिखावा करते हैं।

10. **लेखक प्रेमचंद के फटे जूते को किसका प्रतीक मानता है?**
    A. गरीबी का
    B. संघर्ष और सच्चाई से टकराने का
    C. परंपराओं का पालन करने का
    D. आलस्य का (B)

व्याख्या : फटे जूते को लेखक संघर्ष और सच्चाई से टकराने का प्रतीक मानता है।

DESH KA APNA SCHOOL